सीआईएमपी को एनआईआरएफ 2023 में भारत के शीर्ष 125 बी-स्कूलों में शमिल किया गया

पटना (आससे)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना ने एक बार फिर अपनी महत्ता साबित करते हुए एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की ताजा रैंकिंग 2023 में कई समकालीन बी-स्कूलों को पछाड़कर एक बार फिर अपनी योग्यता साबित की है। शिक्षा और विदेश मामलों के राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह द्वारा कल अपराह्न जारी की गई रैंकिंग में सीआईएमपी को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एनआईआरएफ 2023 में भारत के शीर्ष 125 बी-स्कूलों में शमिल किया गया है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एवं संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके निरंतर समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद व्यक्त किया, जिसके कारण संस्थान को इस स्तर तक ले जाना संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग ने हम पर न केवल इस स्तर को बनाए रखने, बल्कि बाद के वर्षों की रैंकिंग में धीरे-धीरे आगे बढ़ने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी डाल दी है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एकमात्र रैंकिंग है जो देश भर के संस्थानों को रैंक करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की रैंकिंग के लिए व्यापक मापदंडों की पहचान करने के लिए पूर्ववर्ती एमएचआरडी द्वारा गठित एक कोर कमेटी द्वारा बनाई गई समग्र सिफारिशों और व्यापक समझ से रैंकिंग पद्धति प्राप्त होती है। मापदंडों में मोटे तौर पर टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्सेज़ रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिसेज, ग्रेजुएशन आउटकम्स आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी और परसेप्शन शामिल हैं।

AAJ ! Page.N0-09 ! Dated:06-06-2023

आइआइटी पटना ने बचाई लाज, राज्य के विश्वविद्यालय व कालेज सूची से बाहर

शोध संस्थान और इनोवेशन श्रेणी में राज्य का एक भी संस्थान शामिल नहीं, 12 श्रेणी में रैंकिंग के लिए स्वीकार किया जाता है रजिस्ट्रेशन, दो श्रेणी में राज्य से कोई नहीं

जागरण संवाददाता, पटना : नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में राज्य के शिक्षण संस्थानों की स्थिति इस साल भी दयनीय है। ओवरआल रैंकिंग में टाप-100 में सिर्फ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) ही स्थान बना सका है। आइआइटी पटना को ओवरआल इंस्टीट्यूशन में 66वीं रैंक मिली है। टाप-101 से 150 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) पटना तथा टाप-151 से 200 में इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) पटना ही स्थान बना सका है। टाप-100 के बाद संस्थानों की रैंकिंग नहीं की गई है। टाप-101 से 150 तथा टाप-151 से 200 में शामिल संस्थानों को उनके नाम के अल्फाबेट लेटर से जारी किया गया है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के ओवरआल रैंकिंग के लिए राज्य के 51 सहित देशभर के दो हजार 478 शिक्षण संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन किया था।

विश्वविद्यालय व कालेज श्रेणी में टाप-150 में कोई नहीं : विश्वविद्यालय श्रेणी में टाप-200 तक की सूची जारी की गई है। इसमें टाप-150 तक में राज्य के किसी विश्वविद्यालय का नाम शामिल नहीं है। इस श्रेणी में टाप-151 से 200 में सिर्फ डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर ही शामिल है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ साउथ बिहार, गया सहित पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, नव नालंदा महाविद्यालय, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर प्रारंभिक स्तर से आगे नहीं बढ़ सकी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, चाणक्य नेशनल ला यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन ही नहीं कराया। कालेजों की श्रेणी में टाप-200 में राज्य का कोई कालेज स्थान नहीं बना सका है।

कालेज श्रेणी में रैंकिंग के लिए देश भर के दो हजार 746 संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें पटना वीमेंस कालेज, पटना सहित 68 संस्थान बिहार के हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में राज्य के संस्थानों की स्थिति

आइआइटी पटना 42वीं व एनआइटी को 56वीं रैंक

इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में टाप-200 में राज्य से सिर्फ आइआइटी पटना और एनआइटी पटना ही शामिल है। आइआइटी पटना को इस बार 42वीं रैंक मिली है, पिछले साल 33वें स्थान पर था। वहीं, एनआइटी पटना को 56वीं रैंक मिली है, पिछले साल 63वें स्थान पर था। इस श्रेणी में राज्य के 18 इंजीनियरिंग कालेजों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। राज्य सरकार द्वारा संचालित व निजी इंजीनियरिंग कालेज प्रारंभिक स्तर से आगे नहीं बढ़ पाए। देशभर के 1314 इंजीनियरिंग कालेजों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

राज्य के विश्वविद्यालय व कालेजों की रैंकिंग में नहीं सुधर रही स्थिति, आइआइटी पटना की रैंकिंग घटी तो एनआइटी पटना सात पैयदान बढ़ा

आइआइटी पटना • जागरण

कृषि प्रधान राज्य के संस्थान फिसड्डी

बिहार कृषि प्रधान राज्य में शामिल है। टाप-40 एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर्स संस्थानों में डा. राजेंद्र प्रसाद सिंह केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की रैंक 33 है। इस श्रेणी में रैंक के लिए 152 संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें बिहार से सिर्फ पांच हैं। अन्य चार संस्थान प्रारंभिक स्तर से आगे नहीं बढ़ सके।

आइआइएम बोधगया को मिली 53वीं रैंक

मैनेजमेंट श्रेणी में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) बोधगया को 53वीं रैंक मिली है। पटना स्थित चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआइएमपी) टाप-101 से 125 में शामिल है। इस श्रेणी में देश भर के 776 प्रबंधन संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें छह बिहार से हैं। फार्मेसी श्रेणी में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हाजीपुर को 44वीं रैंक मिली है। टाप-125 फार्मेसी संस्थानों में राज्य से सिर्फ एक ही संस्थान है। देश भर में कुल 435 संस्थानों ने इस श्रेणी में रजिस्टेशन कराया था। इसमें तीन बिहार से हैं।

मेडिकल श्रेणी में एम्स पटना को 27वीं रैंक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना ने मेडिकल श्रेणी में 27वीं रैंक मिली है। टाप-50 मेडिकल कालेजों की सूची जारी की गई है। इसमें एम्स पटना राज्य का इकलौता संस्थान है। इस श्रेणी में रैंकिंग के लिए देशभर के 176 मेडिकल कालेजों ने रजिस्ट्रेशन किया था। इसमें राज्य के तीन संस्थान शामिल हैं। एम्स पटना के अतिरिक्त इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) पटना और गोपाल नारायण सिंह मेडिकल कालेज, सासाराम शामिल है। डेंटल कालेजों की श्रेणी में टाप-40 में राज्य के एक भी संस्थान नहीं है। इस श्रेणी में देशभर के 155 संस्थानों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। बिहार से सिर्फ बुद्धा इस्टीट्यूट आफ डेंटल साइस एंड हास्पीटल, पटना ने ही रजिस्ट्रेशन कराया था।

भोपाल और रायपुर से आगे एम्स पटना

जासं, पटना : केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी 8वीं नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में चिकित्सा श्रेणी में सिर्फ एम्स पटना का नाम शामिल है। एम्स पटना को देश के 50 उत्कृष्ट मेडिकल कालेजों में 27वां स्थान मिला है। एम्स पटना के डीन एकेडमी डा. उमेश भदानी ने सोमवार को बताया कि एनआइआरएफ रैंकिंग में शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है। हम इस रैंकिंग में एम्स भोपाल, एम्स रायपुर के अलावा नई दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कालेज और लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज से ऊपर हैं। 2024 में हमारी रैंकिंग टाप 10 मेडिकल कालेजों में होगी। एम्स पटना को पहली बार एनआइआरएफ रैंकिंग में देश के 50 उत्कृष्ट मेडिकल कालेजों में स्थान मिला है। मेरे मार्गदर्शन में एनआइआरएफ आवेदनपत्र भरने वाली ईएनटी की विभागाध्यक्ष डा. क्रांति भावना, मुख्य वित्तीय प्रबंधक डा. संजय पांडेय समेत मैं पूरे एम्स पटना परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

आइआइटी मद्रास फिर बना सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान

देश के सर्वश्रेष्ठ 10 संस्थानों में सात पर सिर्फ आइआइटी, बाकी तीन संस्थानों में आइआइएससी बेंगलुरु भी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : उच्च शिक्षण संस्थानों में आगे बढ़ने की होड़ के बीच आइआइटी मद्रास फिर से देश का सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान घोषित हुआ है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की इंडिया रैंकिंग-2023 में ओवरआल कैटेगरी में वह पहले स्थान पर रहा है। इस स्थान पर वह लगातार पांच सालों से काबिज है। इसके साथ ही देश के दूसरे सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में आइआइएससी बेंगलुरु को चयनित किया गया है। तीसरे स्थान पर आइआइटी दिल्ली, चौथे पर आइआइटी बांबे और पांचवें स्थान पर आइआइटी कानपुर रहा है। देश के सर्वश्रेष्ठ 10 शैक्षणिक संस्थानों में सात पर सिर्फ आइआइटी रहे हैं। बाकी तीन संस्थानों में आइआइएससी बेंगलुरु, एम्स दिल्ली और जेएनयू शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को घोषित की गई एनआइआरएफ की इंडिया रैंकिंग-2023 में ओवरआल के साथ ही 12 अन्य कैटेगरी में भी उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी की गई है। उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने 2015 में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) तैयार किया था। इस रैंकिंग की जब शुरुआत की गई थी, उस समय इसे सिर्फ तीन कैटेगरी में जारी किया जाता था। जिन 12 कैटेगरी में यह रैंकिंग जारी की गई, उनमें विश्वविद्यालय, कालेज, शोध संस्थान, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, मेडिकल, दंत चिकित्सा संस्थान, कानून, आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, एग्रीकल्चरल और इनोवेशन शामिल हैं।

सीआइएमपी देश के शीर्ष 125 स्कूलों में शामिल

पटना. चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 की रैंकिंग में देश के शीर्ष 125 बी-स्कूलों में शामिल किया गया है. इस मौके पर सीआइएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह ने राज्य सरकार के साथ ही संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि संस्थान के बेहतर रैंकिंग यहां के शिक्षकों, कर्मियों की मेहनत और लगन से प्राप्त हुआ है.

Prabhat Khabar ! Page No- 04 ! Date - 06-06-2023 !

सीआईएमपी भारत के शीर्ष 125 बी-स्कूलों में शामिल

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) ने एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की ताजा रैंकिंग 2023 में कई समकालीन बी-स्कूलों को पछाड़ कर एक बार फिर अपनी योग्यता साबित की है। शिक्षा और विदेश मामलों के राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह द्वारा जारी रैंकिंग में सीआईएमपी को एनआईआरएफ 2023 में भारत के शीर्ष 125 बी-स्कूलों में शमिल किया गया है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने मुख्यमंत्री, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एवं संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया है।

Rashtriya Sahara !
Page No - 03
Date - 06-06-2023 !